No. of Printed Pages : 4

MHD-11

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम. एच. डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) शेष में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) लेकिन दूसरे दिन प्रात:काल भी शकलदीप बाबू का गुस्सा ठण्डा न हुआ और उन्होंने नहाने-धोने तथा तथा पूजा-पाठ करने के बाद सबसे पहला काम यह किया कि जब टुनटुन जागा, तो उन्होंने उसको

अपने पास बुलाया और उससे पूछा कि उसने मेवा क्यों खाया ? जब उसको कोई उत्तर न सूझा और वह भक्कू बनकर अपने पिता की ओर देखने लगा, तो शकलदीप बाबू ने उसे कई तमाचे जड़ दिए।

(ख) फिर अट्ठारह वर्ष की आयु में किया हुआ प्यार भी कोई प्यार होता है भला ! निरा बचपन होता है, पागलपन! उसमें आवेश रहता है पर स्थायित्व नहीं, गति रहती है पर गहराई नहीं। जिस वेग से वह आरम्भ होता है, जरा-सा झटका लगने पर उसी वेग से टूट भी जाता है और उसके बाद आहों, आँसुओं और सिसकियों का एक दौर सारी दुनिया की निस्सारता और आत्महत्या करने के अनेकानेक संकल्प और फिर एक तीखी घृणा। जैसे ही जीवन को दूसरा आधार मिल जाता है, उस सबको भूलने में एक दिन भी नहीं लगता। फिर तो वह सब ऐसी बेवकूफी लगती है जिस पर बैठकर घण्टों हँसने की तबियत होती है।

(ग) पर संजय को कैसे समझाऊँ यह सब ? कैसे उसे बताऊँ कि निशीथ ने मेरा अपमान किया है, ऐसा अपमान, जिसकी कचोट से मैं आज भी तिलमिला

रही हूँ। सम्बन्ध तोड़ने से पहले एक बार तो उसने मुझे बताया होता कि आखिर मैंने ऐसा कौन-सा अपराध कर डाला था, जिसके कारण उसने मुझे इतना कठोर दण्ड दे डाला। सारी दुनिया की भर्त्सना, तिरस्कार, परिहास और दशा का विष मुझे पीना पड़ा ..... विश्वासघाती! नीच कहीं का! ..... और संजय सोचता है कि आज भी मेरे मन में उसके लिए कोई कोमल स्थान है। छि: ! मैं उससे नफरत करती हूँ और सच पूछो तो अपने को भाग्यशालिनी समझती हूँ कि मैं एक ऐसे व्यक्ति के चंगुल में फँसने से बच गई, जिसके लिए प्रेम एक महज खिलवाड़ है।

(घ) ऐसे ही अगर पार्टी के आला नेता खुश हो जाते तो मजा आ जाता। बस वे चुटकी बजाएँ तो मुझको लाल बत्ती वाली कार मिल जाए। अर्दली और अंगरक्षक भी ससुरे सेवा करते रहें ..... कौन ठीक, प्रदेश सचिव बनने के बाद भी मिनिस्टरी न सही जल्दी, निगम की चेयरमैनी ही अपने तम्बू के नीचे आ जाए।

2. 'तीसरी कसम' कहानी की ग्राम संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10

3. 'मलबे का मालिक' कहानी विभाजन के दंश को किस प्रकार अभिव्यक्त करती है ? 10

4. मुक्तिबोध की कहानी 'क्लॉड ईथरली' में चित्रित फैंटेसी को स्पष्ट कीजिए। 10

5. 'बोलने वाली औरत' कहानी में व्यक्त स्त्री दृष्टि का विश्लेषण कीजिए। 10

6. 'तलाश' कहानी की भाषा पर विचार कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए : $5 \times 2 = 10$

(क) नई कहानी

(ख) ज्ञानरंजन की कथाभाषा

(ग) 'राजा निरबंसिया' कहानी का मंतव्य

(घ) 'डिप्टी कलक्टरी' कहानी की मूल संवेदना